The Hitavada
JABALPUR ■ Saturday ■ October 5 ■ 2019

TFRI holds training programme on 'Agroforestry' for IFS officers

■ Staff Reporter

TROPICAL Forest Research Institute (TFRI), Jabalpur organised two-day training programme on 'Agroforestry' for IFS officers. The training programme sponsored by Ministry of Environment, Forest & Climate Change, GoI.

Total 20 IFS officers from different states attended the training programme. The aim of this training programme was to sharpen the knowledge of the trainees to the latest techniques of Agroforestry thereby to increase the tree cover outside forest area particularly farmers field for 'Doubling the farm income' as well as to achieve 33% of tree cover as per the National Forest Policy, 1988. This training programme will provide agro-techniques including the major issues related to Agroforestry in India, soil and water conservation through agroforestry, developing value chain in Agroforestry, role of wood-based industries in Agroforestry, cultivation of Indian Sandalwood under agroforestry, Role of research institutes' in promotion of agroforestry research and extension activities, etc.

Dignitaries and IFS officers assembled during training on Agroforestry at TFRI.

Dr. G. Rajeshwar Rao, ARS, Director, TFRI, welcomed the officers and resource persons and drew their attention to the importance of agroforestry in the present context of climate change and INDC. He also pointed out multifunctional role of agroforestry including adaptation and mitigation to climate change. Further, he emphasized that this kind of training programme will give an overall idea about the region/location specific agroforestry practices in India to improve the livelihood of the farmers and increase in overall net farm income. The programme was inaugurated by B.B. Singh, IFS, Additional PCCF (Community Forestry) & Former CEO (State Bamboo Mission, Bhopal). In his inaugural speech, he emphasized on promotion of bamboo-based agroforestry models for sustainable income to the farmers under 'Bamboo Mission Scheme'. Dr. Nanita Berry, Course Director briefed about the training programme and informed that TFRI has developed various site specific and need based agroforestry models for income generation. Various wood-based industries ready to take agroforestry products by supporting minimum support price, is also an encouraging factor in promotion of agroforestry practices among farmers.

पत्रिका
patrika.com
पत्रिका सिटी लीक्स
जबलपुर, शनिवार 05 अक्टूबर, 2019

जलवायु परिवर्तन नियंत्रण में महत्वपूर्ण है कृषि वानिकी

जबलपुर @ पत्रिका. उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान (टीएफआरआइ) में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में आइएफ एस अधिकारियों को जलवायु परिवर्तन के लिए विशेष योजनाओं की जानकारी दी गई। विभिन्न राज्यों के 20 अधिकारियों ने प्रशिक्षण लिया।

संस्थान के निदेशक डॉ. जी राजेश्वर राव ने कहा, कृषि वानिकी के माध्यम से हरित क्षेत्र बढ़ाकर जलवायु परिवर्तन की दिशा में बेहतर कार्य किए जा सकते हैं। कार्यशाला में एपीसीसीएफ बीबी सिंह ने बांस की विभिन्न प्रजातियों की जानकारी देते हुए उपयोग बताए। उन्होंने कहा, बांस स्वरोजगार का बेहतर माध्यम है। इस मौके पर वैज्ञानिक एस. सरवनन, डॉ. एम कुंडु, डॉ. हरिओम सक्सेना, डॉ. एससी विश्वास मौजूद थे।

राज एक्सप्रेस | महानगर
शुक्रवार, 4 अक्टूबर, 2019
www.rajexpress.co

वृक्षों में संख्या वृद्धि के लिए आईएफएस को मिलेगा प्रशिक्षण

उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में कृषि वानिकी प्रशिक्षण का उद्घाटन

जबलपुर (आरएनएन)। उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान टीएफआरआई में आईएफएस अधिकारियों के लिए कृषि वानिकी पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य अधिकारियों को कृषि वानिकी द्वारा वन क्षेत्र के बाहर वृक्षों की संख्या में वृद्धि करना है, जिससे विशेष रूप से किसानों की खेती से की आय दोगुनी हो सके एवं राष्ट्रीय वन नीति 1988 के अनुसार 33 प्रतिशत वृक्ष आवरण करने का लक्ष्य पूरा किया जा सके।

वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालयए नई दिल्ली, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों के 20 अधिकारी भाग ले रहे हैं। टीएफआरआई निदेशक डॉ. जी. राजेश्वर राव ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में भारत कृषि वानिकी से संबंधित प्रमुख मुद्दों के बारे में बताया जाएगा। उद्घाटन में बी.बी. सिंह पूर्व सीईओ राज्य बांस मिशन भोपाल, डॉ. ननिता बेरी पाठ्यक्रम निदेशक आदि द्वारा जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर सी.बेहरा, डॉ. सरवनन, डॉ. एम. कुडु, डॉ. हरिओम सक्सेना, डॉ. एससी बिस्वास सहित अन्य वैज्ञानिक, अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।